

व्यक्ति या कार्य से संबंधित निर्देशन, दे. अनुदेश।

अनुदैर्घ्य वि. (तत्.) [अनु+दैर्घ्य] 1. जो आकार में दीर्घता या लंबाई से युक्त हो, 2. जो लंबाई के आकार में स्थित हो, जैसे- पुस्तकालय की अनुदैर्घ्य गैलरी।

अनुदैर्घ्य घाटी स्त्री. (तत्.) (भू.विज्ञान) 1. वह घाटी जो नदी के दोनों ओर के पर्वतों के मध्य में उनके समांतर रूप से स्थित हो, 2. पर्वत माला के अनुरूप दिशा में स्थित घाटी।

अनुद्देश्य वि. (तत्.) दे. निरुद्देश्य।

अनुद्घाटित वि. (तत्.) [अन्+उद्घटित] 1. जिसका अभी उद्घाटन नहीं हुआ हो, 2. ऐसा कोई सामाजिक निर्माण/कार्य (भवन/सेतु आदि) जिसका सार्वजनिक रूप से शासन द्वारा विधिवत् उद्घाटन न हुआ हो जिससे उसका उपयोग जनता द्वारा आरंभ न किया जा सका हो।

अनुद्धत वि. (तत्.) [अन्+उद्धत] जो उद्धत न हो अर्थात् जो उद्धतता रहित हो, विनम्र, शिष्ट, विनो. उद्धत।

अनुद्धार पुं. (तत्.) [अन्+उद्धार] उद्धार का अभाव, उद्धार न होना विनो. उद्धार।

अनुद्भूत वि. (तत्.) [अन्+उद्भूत] 1. जो उद्भूत न हो, अनुत्पन्न 2. जो (तथ्य आदि) अभी तक व्यक्त न हुआ हो, अव्यक्त जैसे- अनुद्भूत स्नेह विनो. उद्भूत।

अनुद्यत वि. (तत्.) जो (कार्य-हेतु) उद्यत या तत्पर न हो, अनुद्यमी।

अनुद्यमी वि. (तत्.) उद्यमरहित, अपरिश्रमी, आलसी, सुस्त।

अनुद्योगी वि. (तत्.) अकर्मण्य, निष्क्रिय, आलसी।

अनुद्रव्य पुं. (तत्.) [अनु+द्रव्य] वह द्रव्य या पदार्थ जो औषधीय गोलियाँ बनाने के लिए ही किसी औषधि में सम्मिलित किया जाता है।

अनुद्रुत पुं. (तत्.) [अनु+द्रुत] (संगीत) माला का चतुर्थ भाग, एक ताल, विशेषतः संगीत शास्त्र में

'द्रुत' आधी मात्रा को कहा जाता है तथा द्रुत के आधे भाग को अनुद्रुत कहते हैं।

अनुद्वाचित वि. (तत्.) [अन्+उद्वाचित] पुरातत्त्व से संबंधित वह अभिलेख या उसका अंश जो अभी तक किसी तरह पढ़ा नहीं जा सका हो।

अनुद्वाह पुं. (तत्.) [अन्+उद्वाह] उद्वाह (विवाह) न करने की स्थिति, विवाह का अभाव, क्वारा/कुआँरा।

अनुद्विग्न वि. (तत्.) उद्वेग-रहित, जो उद्विग्न न हो, अविकल, चिंतामुक्त, आशंकरहित, निश्चिंत।

अनुद्वेग पुं. (तत्.) आशंका या व्याकुलता का अभाव, भय का अभाव, वि. (तत्.) उद्वेगरहित, अनुद्विग्न।

अनुधावन पुं. (तत्.) 1. किसी के पीछे धावना (दौड़ना)। 2. किसी को दौड़ते हुए पीछा करने की स्थिति।

अनुध्यात वि. (तत्.) (वह अभीष्ट कार्य) जिसे सभी पक्षों पर सम्यक् विचार करके लिया गया हो।

अनुध्यान पुं. (तत्.) किसी विषय पर चिंतन, ध्यान, शुभचिंतन, धर्म-चिंतन।

अनुध्वनि स्त्री. (तत्.) [अनु+ध्वनि] किसी ध्वनि के बाद प्रतीत होने वाली ध्वनि, प्रतिध्वनि, अनुगूँज।

अनुनत वि. (तत्.) [अनु+नत] 1. जो विनम्र या विनत हो 2. अनुशिष्ट, अनुशासित।

अनुनय पुं. (तत्.) विनय, विनती, प्रार्थना।

अनुनाद पुं. (तत्.) भौ.संगी. ध्वनितंत्र की आवृत्ति में समान या सन्निकट आवृत्ति का बल लगने पर दोलन और कंपन के आयाम में होने वाली अत्यधिक वृद्धि, गूँज, प्रतिध्वनि।

अनुनादक वि. (तत्.) 1. किसी ध्वनि के बाद या साथ नारद (ध्वनि) करने वाला। 2. प्रतिध्वनि कर्ता 3. वह एक यंत्र जो गूँज उत्पन्न करता हो।